क कनकमायक आगे चलकर

कनकदास बने

ख कनकदास ने बाल कृष्ण का

वर्णन किया है।

ग कनकदास कर्नाटक के संत

कवियों में एक हैं।

घ कनकदास जी ने करीब कीर्तनों

कीर्तनों की है चार रूपों से

भी ज़्यादा

M T W T F S S
Page No.:
Date:
YOUVA

कर्नाटक पूरे भारत वर्ष में अपनी

कला, संस्कृति और साहित्य के

लिए प्रसिद्ध है।

Page No.:
Date:

ख कनकदास के गए गीतों के कीर्तनों

ग कनकदास के गुरु का नाम व्यवसाय था।

घ कनकदास जो कन्नड़ साहित्य सागर के चमकते सितारे है।